


विभवांतर (potential difference = P.D) :-

- किसी दो बिन्दुओं पर विभव का अंतर ✓
- आवेश के प्रवाह की दिशा को बतलाता है। ✓
- "वोल्टमीटर" द्वारा मापा जाता है ✓

- प्रतिरोध = 0 ✓
- आदर्श वोल्टमीटर का प्रतिरोध = ∞
- परिपथ में parallel समूहित की जाती है
- 

$$\text{विमानक (V)} = \frac{W}{g}$$

$$W = V \times g$$

यदि विमानक = 0 हो तो, $W = 0$

↳ समविमवी अवस्था के लिए विमानक = 0

↳ वैद्युत क्षेत्र की दिशा में गिरने के लिए

- ⊙ पृथ्वी के विमानक को मुख्य माना जाता है
- ⊙ अंतर पर विमानक = 0

विद्युत-धारा (Electric current = I) :-

→ विभवान्तर के अधीन आवेशों के प्रवाह की दर

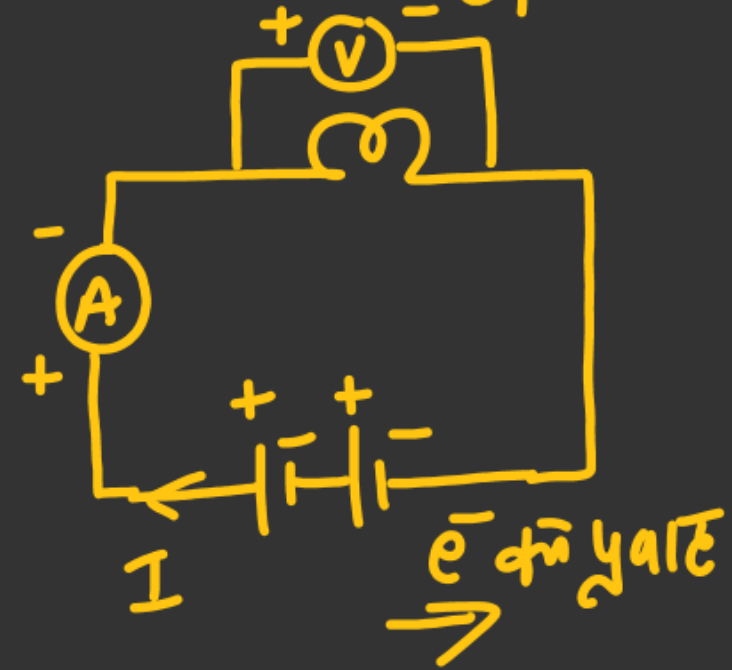
→ electron के उलट प्रवाह को विद्युत-धारा कहते हैं

$$I = \frac{Q}{t} \quad P$$

→ S.I unit = ऐम्पियर (A) = $\frac{\text{कुलॉम्ब}}{\text{sec}}$

→ राशि = अदिश

→ प्रवाह = Electron के प्रवाह के विपरीत दिशा में (+ से - की ओर)



Galvanometer

+ समान्तर क्रम में शिफ्ट

प्रतिरोध (eg:- Shunt)

आमीटर

+ श्रृंखला क्रम में

उच्च प्रतिरोध

वोल्टमीटर

$$1A = \frac{1C}{1sec}$$

$$1 \text{ वोल्ट} = \frac{1 \text{ जूल}}{1 \text{ कूलॉम्ब}}$$

Q(1) 1 ऐम्पियर घंटा = कूलॉम्ब

Solⁿ. $1A \times 3600 \text{ sec} = 3600 \text{ C}$

$= 3.6 \times 10^3 \text{ C Ans}$

Q:- It is

